पक्षियों की गतियां बहुत नियमित नहीं हैं

पहले कुछ अध्ययनों से संकेत मिले थे कि भोजन की तलाश करते समय पक्षी तथा बंबल बी व हिरन जैसे प्राणी कोई बहुत ही पेचीदा व नियमबद्ध रणनीति अपनाते हैं। नए शोध से पता चलता है कि इस संदर्भ में पक्षियों व अन्य प्राणियों के बारे में निकाले गए निष्कर्ष संभवतः गलत हैं। ताज़ा अध्ययन दर्शाते हैं कि भोजन की तलाश में ये प्राणी काफी बेतरतीब गति करते हैं।

करीब दस वर्ष पूर्व गांधीमोहन विश्वनाथन के नेतृत्व में एक दल ने अल्बेट्रॉस नामक पक्षियों द्वारा भोजन की तलाश की रणनीतियों का अध्ययन किया था। आजकल ब्राज़ील के एलागोस विश्वविद्यालय में कार्यरत विश्वनाथन ने उस समय अल्बेट्रॉस डायोमीडिया एक्सुलेन्स का अध्ययन करके बताया था कि ये पक्षी भोजन की तलाश में तथाकथित लेवी उड़ान का प्रदर्शन करते हैं। इस तरह की उड़ान की विशेषता यह होती है कि पक्षी कई सारी छोटी-छोटी उड़ानें भरते हैं और बीच-बीच में लंबी उड़ान होती है। ऐसा माना जाता है कि इस तरह से पक्षी बिखरे हुए भोजन के स्रोत का बेहतर दोहन कर पाते हैं।

मगर अब विश्वनाथन व उनके साथियों को लगता है कि उनका निष्कर्ष गलत था। उन्होंने स्वीकार किया है कि उनके इस गलत निष्कर्ष का कारण यह था कि उन्होंने इन समुद्री पक्षियों की उस समय की गतिविधियों को रिकॉर्ड नहीं किया था जब वे तट पर अपने घोंसलों में बैठे होते हैं। नेचर शोध पत्रिका में प्रकाशित अपने ताज़ा शोध पत्र में विश्वनाथन बताते हैं कि जब उन्होंने इस अवधि को भी शामिल कर लिया तो लेवी पैटर्न नदारद हो गया और समझ में आया कि दरअसल ये पक्षी काफी बेतरतीबी से उड़ान भरते हैं।

इसी प्रकार का ताज़ा विश्लेषण बंबल बी और हिरणों की गति का भी किया गया है। इनके लेवी पैटर्न के विश्लेषण में भी कई सांख्यिकीय समस्याएं हैं।

कुल मिलाकर अब इस बात को कहने के लिए कोई प्रमाण नहीं है कि ये प्राणी भोजन की तलाश में कोई अत्यंत परिष्कृत तरीका अपनाते हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***